हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 24 जून, 2025

11 विधायक आवास पर मनाया डॉ. श्यामा प्रसाद...

12 350 करोड़ रुपये बीमा फ्रॉड सहित 14 सूत्रीय ...

खबर संक्षेप

मातेश्वरी जगदम्बा का पुण्य स्मृति दिवस आज

बहल। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शाखा बहल में की 24 जून मंगलवार को विश्वविद्यालय की प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदम्बा का 60 वां पुण्य स्मृति दिवस मनाया जाएगा। केंद्र संचालिका बीके शकुंतला ने बताया कि इसी दिन ब्रह्माकुमारीज बहल केंद्र की स्थापना करने वाली राजयोगिनी बीके निर्मला दीदी की भी 12वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पण किए जाएंगे।

अग्निवीर भर्ती के लिए प्रवेश परीक्षा 30 से

चरखी दादरी। सेना भर्ती कार्यालय चरखी दादरी के निदेशक कर्नल के संदीप ने बताया कि चरखी दादरी, महेंद्रगढ़, भिवानी और रेवाड़ी के उम्मीदवारों जिन्होंने अग्निवीर भर्ती के लिए ऑनलाइन पंजीकृत किया है। उन उम्मीदवारों के लिए ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा 30 जून से 10 जुलाई तक होगी। पंजीकृत अभ्यर्थी एडमिट कार्ड ज्वाइन इंडियन आर्मी वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं।

पुरस्कार के लिए 30 जून तक आवेदन

चरखी दादरी। केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय ने राष्ट्रीय धन्वंतरी आयुर्वेद पुरस्कार 2025 के लिए आयुर्वेद विशेषज्ञों से 30 जून तक आवेदन आमंत्रित किए हैं। डीसी मुनीश शर्मा ने कहा कि यह पुरस्कार ऐसे आयुर्वेद विशेषज्ञों को प्रदान करने के लिए स्थापित किए, जो भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग अधिनियम व भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार मान्यता प्राप्त योग्यता रखते हैं और जिन्होंने आयुर्वेद के क्षेत्र में अपार योगदान दिया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत 12 जुलाई को लगेगी

चरखी दादरी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन नरेश कुमार के मार्गदर्शन व मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव संजीव काजला के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 जुलाई को जिला न्यायालय परिसर में किया जाएगा। प्राधिकरण के सचिव ने बताया कि इस लोक अदालत का उद्देश्य अधिक से अधिक लंबित मामलों का सहमति से त्वरित समाधान करना है।

प्री-मानसून की गिरी बौछारें लुढ़का पारा, उमस हुई बाहर

मुरझाई फसलों में लौटी रौनक, किसानों के चेहरे खिले,बढ़ेगी औसत पैदावार

दोपहर तक पंखे व कूलर भी उमस के आगे फेल नजर आए। लोग गर्मी व उमस से बचने के लिए एसी व कूलरों के ही आगे बैठे रहे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सोमवार दोपहर तक जबरदस्त गर्मी व चुभने वाली उमस के बाद राहत की बौछारें गिरी। इस सीजन की पहली प्री- मानसून की बारिश हुई। हालांकि ज्यादा तेज बारिश नहीं आई,लेकिन हलकी बारिश से भी लोगों को गर्मी व उमस से राहत मिली। क्योंकि पिछले कई दिनों से जबरदस्त उसम व गर्मी से लोग बेहाल थे,लेकिन आज दोपहर बाद हुई बारिश ने मुरझाई फसलों में भी जान में जान ला दी।

बारिश के बाद किसानों के चेहरे खिल उठे। चूंकि इस वक्त हुई बारिश से खरीफ फसलों में फायदा होगा और उनकी औसतन पैदावार में बढौतरी होगी। फिलहाल हुई बारिश किसानों के लिए सोने से कम नहीं है।

करीब साढ़े तीन बजे तक जबरदस्त गर्मी व उमस ने लोगों को परेशान कर दिया। पंखे व कूलर भी उमस के आगे फेल नजर आए। लोग गर्मी व उमस से बचने के लिए एसी व कूलरों के ही आगे बैठे रहे। करीब साढ़े तीन बजे अचानक उतर की तरफ से तेज हवा का झौंका आया और हलकी बूंदाबांदी शुरू हो गई। करीब आधे घंटे तक आसमान से पानी बरसा। कभी तेज तो कभी धीमी गति से आसमान से पानी बरसा। बारिश से खरीफ की फसलों की जान में जान आई। पारा भी दो डिग्री नीचे लुढ़क गया। पारा 38 डिग्री से गिर कर 36 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। जिसके चलते लोगों को गर्मी से राहत मिली। वहीं उमस से भी पूरी तरह से छुटकारा मिल गया। इस वक्त हुई बारिश से फसलों में अच्छा खासा फायदा होगा। क्योंकि फसलों को पानी की जरूरत थी। वह बारिश ने पूरी कर दी। फसलों में फुटाव बढ़ेगा और उसके बाद औसतन पैदावार में बढौतरी होगी।

कई जगह जलभराव की समस्या

अचानक आई प्री मानसून की बारिश की वजह से शहर के अनेक जगहों पर जलभराव की स्थिति बन गई। क्योंकि अभी शहर में नाली व नालों की सफाई का कार्य चल रहा था। आज हुई बारिश ने सफाई के कार्य को बीच में ही रोक दिया। जिसके चलते अनेक जगहों पर जलभराव की स्थिति बन गई। हालांकि पब्लिक हेल्थ विभाग ने अनेक जगहों पर पम्प सेट लगाकर बारिश के पानी की निकासी का कार्य किया,पर देर शाम तक ढलान वाली जगहों पर जलभराव की स्थिति बनी हुई थी।

जमकर बरसे बदरा

बवानी खेड़ा में सोमवार दोपहर को अचानक से मूसलाधार बारिश हुई। बारिश इतनी तेज थी कि नाले नालियां लबालब हो गई और सड़कों पर पानी जमा हो गया। बारिश से किसानों ने भी राहत की सांस ली। किसानों में नरेन्द्र, रामधारी, सुमित्रा, कमलेश, मोनू, रमेश कुमार आदि ने बताया कि बारिश से जहां उनकी फसलों को राहत मिलेगी और फसलों को फायदा होगा। वहीं शहरवासियों ने बताया कि बवानी खेड़ा के नाले नालियां पानी से लबालब हो गई। हालांकि बारिश में सफाई कर्मचारी नालों की सफाई करते हुए दिखाई दिए। वहीं नपा प्रधान सुंदर अत्री व सचिव संदीप गर्ग ने बताया कि पिछले काफी समय से अभियान चलाकर नाले नालियों की सफाई का अभियान जारी किया हुआ है। किसी भी सूरत में शहर में गंदगी एकत्रित नहीं होने दी जाएगी।

भिवानी। विजेता टीम को पुरस्कृत करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

प्रदेश की बेटियों ने जूनियर नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप में जीता पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- हैडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव डॉ. प्रीतपाल सिंह सलूजा ने लड़कियों की हैंडबॉल टीम को बधाई दी।

बिहार के नवादा शहर में 18 से 22 जून तक आयोजित करवाई 47वीं एचएफआई जूनियर नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप में हरियाणा की लड़कियों की जूनियर हैंडबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन कर सिल्वर पदक जीता। इस उपलब्धि पर हैडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव डॉ. प्रीतपाल सिंह सलूजा ने लड़कियों की हैंडबॉल टीम को बधाई दी। कोच विवेक खरकिया ने बताया कि चैंपियनशिप का आयोजन हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया ने करवाया, जिसमें हरियाणा की हैंडबॉल टीम ने बेहतरीन खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया तथा सिल्वर पदक जीता।

हरियाणा टीम के कोच राजू लितानी रहे। टीम की सहायक कोच सीमा और टीम कप्तान रचना लितानी रही। हरियाणा टीम का प्रशिक्षण कैंप गांव लितानी में लगाया गया था। उन्होंने बताया कि पदक विजेता टीम को मुख्यतिथि बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने सम्मानित किया। कोच विवेक ने बताया कि हरियाणा की टीम की कप्तान रचना को बेस्ट खिलाड़ी का अवॉर्ड मिला। टीम ने अनुशासन, मेहनत और एकजुटता के साथ सफर तय किया है, वहीं आगे भी जीत की कुंजी साबित होगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा की लड़कियों की हैंडबॉल टीम ने साबित कर दिया कि बेटियों को थोड़ा सा प्रोत्साहन मिले तो वे न केवल शिक्षा, बल्कि खेल के क्षेत्र में भी बेटों के बराबर उपलब्धियां हासिल कर सकती है।

इन्होंने दी बधाई

टीम की उपलब्धि पर हैंडबाल कोच नरेश बलोदा, राजू नाथुवास, विजय कोटियां, डॉ. आकाश परमार, सुमित कोटियां, गौरव कुरुक्षेत्र, बलजोत सिरसा, विकास बहराना, बांद्र लितानी, सुरेंद्र दनोदा व प्रवीन दनोदा आदि ने खुशी जताई।

महीने बाद कस्बे में खाद की दो गाड़ियां आईं

डीएपी खाद के लिए आपाधापी,लाइनों में लगने की लाचारी

किसानों ने लगाया आरोप समय पर नहीं मिलने पर इसका असर फसलों पर देखने को मिलेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा स्थित अनाज मंडी में स्थित दी बवानी खेड़ा कोऑपरेटिव मार्केटिंग कम प्रोसेसिंग समिति द्वारा किसानों को दी जा रही फसलों के लिए उन्नत किस्म की खाद जिसमें डीएपी व यूरिया तथा एनपीके शामिल है जो कि किसानों को अपनी फसलों को बढ़ाने के लिए काम आती है। उसी के चलते समय पर बिजाई के समय खाद्य मिलने की समस्या बवानीखेड़ा क्षेत्र में देखने को मिल रही हैं। वहीं दूसरी ओर किसानों ने आरोप लगाया कि समय पर खाद न मिलने के कारण इसका असर उनकी फसलों पर पड़ेगा क्योंकि समय पर फसलों में खाद आदि कमी के चलते उनके फैसले अच्छी तथा गुणवत्ता वाली नहीं मिलेंगे। सोमवार सुबह क्षेत्र के किसानों को डीएपी खाद आने की सूचना मिली सूचना मिलते ही सैकड़ो की संख्या में किसान जिसमें महिलाएं व बच्चों सहित अनाज मंडी में पहुंचे तथा खाद लेने का इंतजार करने लगे। मौके पर मौजूद किसान नरेन्द्र, राज, दीवान, बसंत, धनराज, कुलदीप, अजीत सिंह, आदि ने बताया कि लगभग एक महीने बाद कस्बे में खाद की दो गाड़ियां आई है। जबकि क्षेत्र के किसानों ने हजारों एकड़ में कपास वी लगभग हजारों एकड़ में ही धान की बिजाई की तैयारी चल रही है। वहीं किसानों ने बताया कि समय पर खाद नहीं मिलना इसका सीधा असर उनकी फसलों पर पड़ता है। उन्होंने बताया

कि इस समय सरकार की तरफ से तो किसानों को आश्वासन मिला हुआ है कि समय पर उन्नत किस्म के बीच खाद उर्वरक व दवाइयां प्रचुर मात्रा में किसानों को मिलेगी लेकिन यहां कहानी कुछ उल्टी है। यहां समय पर न खाद मिलती है न उन्नत किस्म के बीज तथा दवाइयां भी प्रयुक्त मात्रा में नहीं मिल पाती। हर समय किसानों की ही हानि होती है। वहीं किसानों को डीएपी खाद की कीमत बढ़ाने को लेकर भी इसका डर सता रहा है लेकिन अब इसकी कीमत प्रति बैग 1350 रुपए है जबकि पिछले दिनों सरकार ने समाचार पत्रों के माध्यम से इसकी कीमत बढ़ाने की खबर आई थी। खाद की कीमत बढ़ाने से किसानों के अंदर डर सता रहा था।

डीएपी की कोई कमी नहीं

सोमवार को मौके पर मौजूद एजीएम शैलीन कुमार ने बताया कि आज सुबह लगभग 11 बजे डीएपी की दो गाड़ियां को प्रत्येक किसान के आधार कार्ड पर पांच बैग डीएपी के दिए जा रहे हैं। उनके पास डीएपी की कोई कमी नहीं है। वहीं दूसरी ओर एजीएम ने बताया कि किसानों को खाद की कोई दिक्कत नहीं होगी। उन्होंने बताया कि उनके पास यूरिया व एनपीके की कोई कमी नहीं है। इनका उनके पास अच्छी मात्रा में स्टॉक मौजूद है। उन्होंने किसानों को बताया कि डीएपी से अधिक शक्तिशाली एनपीके है। उन्होंने बताया कि डीएपी में 18 की मात्रा होती है वहीं दूसरी ओर एनपीके में उन्नत किस्म की 20: होती है। जो कि फसलों में डीएपी से ज्यादा कामयाबी है। वही एजीएम ने बताया कि किसानों को किसी प्रकार की खाद की कमी नहीं रहने दी जाएगी।

ओवरटेक के चक्कर में कार ट्रक से भिड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

- भीड़भाड़ वाला एरिया होने के चलते ओवरटेक के चक्कर में हुआ हादसा

बवानी खेड़ा के बाबा कमाल मंदिर के सामने हांसी-भिवानी मुख्य मार्ग पर हांसी से भिवानी जा रहे ट्रक को ओवरटेक करने के चक्कर में कार की ट्रक से भिड़ंत हो गई गनीमत रही की बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो यदि पीछे से कोई और वाहन होता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

वही 112 पुलिस को सूचना मिलते ही पुलिस की गाड़ी मौके पर पहुंची और आईओ चरण दास ने गहनता से मुआयना किया। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो ट्रक अपनी सही स्पीड से हांसी से भिवानी आ रहा था और उसके पीछे कार आ रही थी। भीड़भाड़ वाला एरिया होने के चलते कार ने ओवरटेक के चक्कर में ट्रक में टक्कर मार दी। वहीं पुलिस टीम ने बताया कि जांच की जा रही है, कार्यवाही की जाए।

एसडीएम ने औचक निरीक्षण अभियान चलाया, 9.15 पर पहुंचे तहसील में

- तहसील कार्यालय के कर्मचारियों को देरी से पहुंचने पर दी चेतावनी
- राजस्व विभाग के अधिकतर अधिकारी, कर्मचारी अपनी सीट पर नहीं थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

एसडीएम मनोज दलाल ने सोमवार को सरकारी विभागों में औचक निरीक्षण अभियान चलाकर देरी से ड्यूटी पर पहुंचने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को समय पर पहुंच कर आमजन के कामकाज को त्वरित तरीके से निपटाने के लिए सख्त नसीहत भी दी। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से किसी भी व्यक्ति का लंबित फाइल न रखने व एक दूसरे विभागों से सामंजस्य से काम पूरा करवा कर जनता को राहत दिलवाने का आह्वान किया। एसडीएम के औचक अभियान से सभी विभागों में हड़कंप मचा रहा। बाढड़ा के एसडीएम मनोज कुमार सोमवार सुबह 9 बजकर 15 मिनट पर जुई रोड स्थित तहसील कार्यालय पहुंचे तो राजस्व विभाग के अधिकतर अधिकारी, कर्मचारी अपनी सीट पर नहीं थे और जो आए थे वह बाहर परिसर में बैठे नजर आए। एसडीएम ने सभी कर्मचारियों को कार्यालय में तलब किया तथा काम के प्रति जवाबदेही तैयार रखने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि सोमवार से शुक्रवार तक उनको नियमित तौर पर काम की जिम्मेदारी है लेकिन अधिकतर कर्मचारी ड्यूटी पर से गायब रहेंगे तो आमजन का समय पर काम कैसे संभव होगा। वह स्वयं समय पर ड्यूटी पर उपस्थित रहेंगे तो अन्य अधिकारी समय पर गैरहाजिर नहीं रहेंगे। इस पर सभी अधिकारियों, कर्मचारियों ने उनको भरोसा दिया कि कोई भी कर्मचारी अपनी सीट से अनुपस्थित नहीं रहेगा।

बाढड़ा। कार्यालय का निरीक्षण करते एसडीएम। फोटो : हरिभूमि

एसडीएम मनोज दलाल ने कहा कि उनका यह अभियान भविष्य में स्वास्थ्य केन्द्रों, बस स्टेंड, बीडीपीओ कार्यालय, स्कूल, आंगनवाड़ी केन्द्रों पर भी संचालित रहेगा। ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि तहसीलदार सज्जन कुमार के पास चरखी दादरी व बाढड़ा दोनों तहसील कार्यालयों का जिम्मा है जिससे उनको दोनों जगहों पर काम संभालना पड़ रहा है वहीं अन्य अधिकारी भविष्य में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरतेंगे। इस दौरान एडवोकेट अनिल मान, एडवोकेट अशोक श्योराण, राजेश हड़ौदी आदि ने उनको अधिवक्ता संघ की समस्याओं से अवगत करवाया तथा जल्द से जल्द उपमंडल कार्यालय के नए भवन का संचालन करवाने की मांग रखी।

उल्टी झाड़ू लेकर व काले बिल्ले लगाकर किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

लंबित मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे नप सफाई कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

बार-बार समझौता वार्ता होने के बावजूद सफाई कर्मचारियों की मांगें पूरी न किए जाने के विरोध में नगर पालिका कर्मचारी संघ की भिवानी इकाई ने सोमवार को रोष प्रदर्शन किया। नपा कर्मचारी संघ के इकाई प्रधान जयहिंद पहलवान के नेतृत्व में कर्मियों ने शहर में उल्टी झाड़ू लेकर व काले बिल्ले लगाकर शहर में रोष प्रदर्शन किया और प्रदेश की सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी के नाम 18 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा। उन्होंने कर्मियों की मांगों का जल्द से जल्द पूरा करवाने के लिए सरकार पर दबाव डालने की मांग की। उन्होंने कर्मियों को नौ जुलाई की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उनकी मांगें नहीं मानी तो वे 29 जून को नगर निकाय मंत्री विपुल गोयल के आवास का घेराव करेंगे।

नपा कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेश सचिव पुरूषोत्तम दानव ने बताया कि वर्ष 2014 से भाजपा सरकार ने अभी तक एक भी सफाई कर्मचारी व सीवरमैन को स्थायी पद पर भर्ती नहीं किया हैं। कौशल रोजगार निगम के तहत एक लाख 20 हजार के तहत कर्मचारी लगाए है, लेकिन इनमें सफाई कर्मचारी व सीवरमैन की कोई नियुक्ति नहीं की।

भिवानी। लंबित मांगों को लेकर शहर में प्रदर्शन करते नगर परिषद के सफाई कर्मचारी।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने वर्ष 2014 में संकल्प पत्र में सफाई कर्मचारियों को पक्का करने की बात कही थी, लेकिन उनमें से किसी को भी पक्का नहीं किया। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश के सफाई कर्मचारी आज कर्मचारी वर्ग के अंतिम छोर पर खड़े है, इससे नीचे उनके पास जाने के लिए स्थान नहीं है, ऐसे में स्थायी रोजगार पाने के लिए वे प्रदर्शन कर रहे है। दानव ने कहा कि संघ व सरकार के बीच 7 अगस्त 2024 को कर्मचारियों की मांगों पर वार्ता हुई थी। वार्ता में कई अहम मांगों पर सहमति भी बनी थी, लेकिन सरकार ने आज तक मांगों को नहीं माना तथा न ही पत्र जारी किए। दानव ने कहा कि उनकी 18 सूत्रीय मांग में समान काम-समान वेतन, आबादी के हिसाब से सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति, पुरानी पेंशन बहाली, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना, सफाई व सीवरमैन को भर्ती करना, सफाई कर्मचारियों के लिए की गई घोषणाओं में बढ़ोत्तरी करना, ग्रामीण कर्मचारियों को 27 हजार तथा शहरी कर्मचारियों को 27 हजार से अधिक मानदेय देना प्रमुख मांगे है। इस अवसर पर रमेश, भारत, अमित बागड़ी, शेर सिंह, प्रवीण, मनीषा, ज्योति, मालती, रवि कुमार, बवानीखेड़ा इकाई प्रधान दिलबाग सिंह, सोनू, लोहारू से आशू आदि मौजूद रहे।

बिजली के पोल पर लगे इंसुलेटर में आई दिक्कत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

- कई घंटे बिजली बाधित रही

बवानी खेड़ा के एचडीएफसी बैंक के पास बिजली के पोल पर लगे इंसुलेटर में दिक्कत आने से कई घंटे बिजली बाधित रही। हालांकि बिजली निगम के कर्मचारियों ने मौका निरीक्षण किया और कर्मचारियों ने घंटों कार्य करके इसे दुरूस्त किया। शहरवासियों ने बताया कि अक्सर आंधी तूफान बारिश आने पर बिजली चली जाती है और उन्हें काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है जबकि विभाग समय समय पर मेंटिनेंस के नाम पर भी कट लगाता है। वहीं निगम के उपमंडल अभियंता राजेन्द्र कुमार ने बताया कि तकनीकी खामियों के बिजली कट लगते हैं। सोमवार को कर्मचारियों ने पूरी मेहनत से कमी को दूर किया और सप्लाई को शुरू करवाया। वहीं लोगों ने भी निगम कर्मचारियों के कार्य की सराहना की।

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

10

रोहतक, मंगलवार
24 जून 2025

हरिभूमि
सहेली

तब आप बन जाएंगी स्मार्ट वर्किंग वूमेन

बहुत सी वर्किंग वूमेन को खुद से यह शिकायत रहती है कि पूरी मेहनत से काम करने के बाद भी उनको न अच्छा रिजल्ट मिलता है और न ही उनके पास टाइम बचता है। वास्तव में इसकी वजह वर्किंग स्टाइल का मिसमैनेजमेंट होता है। अगर कुछ बातों को अमल में लाएं तो आप स्मार्ट वर्किंग वूमेन बन सकती हैं।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

रागिनी इस बात से परेशान रहती है कि उसे अपने बिजी रूटीन में पल भर भी चैन से गुजारने की फुर्सत नहीं मिल पाती। इसके बावजूद वह घरेलू कामों में अपनी मां की मदद भी नहीं कर पाती है। उधर वर्कप्लेस पर सुबह से शाम तक लगातार काम में जुटे रहने के बाद भी उसका कोई न कोई ऑफिसियल वर्क पेंडिंग रह ही जाता है। हमेशा काम में उलझी रहने की वजह से वह अपने पर्सनल जरूरी काम भी लगातार टालती रहती है। इस बारे में एक बार जब उसने अपनी मां से डिस्कशन किया तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'बेटी तू व्यस्त कम, अस्त-व्यस्त ज्यादा रहती है।' अपनी मां की बात सुनकर रागिनी गंभीरता से अपने वर्किंग स्टाइल पर सोचने लगी कि आखिर उससे मिस्टेक कहां होती है? रागिनी की तरह ही कई वर्किंग वूमेन के साथ ऐसा होता है कि वे हमेशा काम में बिजी रहती हैं। ना इन्हें खाने-पीने की सुध होती है, ना मनोरंजन के लिए वक्त मिलता है। इन्हें ठीक से नींद भी नहीं आती और फ्रेंड सर्कल के साथ भी टाइम नहीं बिता पाती हैं। इसके बावजूद इनकी मेहनत का मनचाहा या बहुत बढ़िया रिजल्ट भी नहीं मिलता है। बल्कि पेंडिंग या सही तरीके से न किए गए वर्क की वजह से अकसर बॉस से डांट पड़ती है। ऐसे लोगों को समझना चाहिए कि ओवर बिजी होने और स्मार्ट वर्किंग पर्सन होने में फर्क होता है। गैरजरूरी व्यस्तता से बचने और हर काम को स्मार्टली करने के लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

हर पल है कीमती

स्मार्ट वर्किंग वूमेन बनने के लिए अपने समय के हर पल का हिसाब रखना जरूरी है। आप अपना समय किन कामों में लगा रही हैं, आपको पता होना चाहिए। टाइम ट्रैकिंग ही बताएगी कि आप अपने टाइम को बर्बाद कर रही हैं या इसका सही यूज कर रही हैं। इसके लिए प्रियॉरिटी के आधार पर निश्चित समय पर जरूरी काम करने की आदत डालें। आलस्य और टालमटोल की आदत से दूर रहें। 'टाइम मैनेजमेंट' किताब में लिखा है कि आपको कर्मठता के साथ काम करने में समय का निवेश सही तरीके से करना चाहिए ताकि इसका बेहतर रिटर्न हासिल हो सके।

अनावश्यक बातें ना करें

हर काम का एक वक्त होता है। जब आप किसी जरूरी ऑफिसियल प्रोजेक्ट पर काम कर रही हों तो उस दौरान कुलीग्स से बातचीत करने में समय नष्ट न करें। गॉसिप, हंसी-मजाक आदि तभी करें, जब आपके पास स्पेयर टाइम हो। आप पब्लिक ट्रांसपोर्ट या पूल कार से ट्रैवलिंग के दौरान या फिर ऑफिस आवर्स खत्म होने के बाद ही पर्सनल बातें या गॉसिपिंग कर सकती हैं।

एंज्वॉय करें वर्क

काम ऑफिस का हो या पर्सनल, जब आप बोझिल मन से उसे करती हैं तो एकाग्रता की कमी के कारण आपको उसे करने में ज्यादा समय लगता है। आधे-अधूरे मन से काम करने से गलती होने की आशंका रहती है। इसलिए गलती सुधारने के लिए एक ही काम को दो या तीन बार भी करना पड़ जाता है। वहीं अगर काम को एंज्वॉय करते हुए करेंगी तो काम ईजी लगेगा, सही होगा और कुछ जल्दी भी हो जाएगा। हॉर्वर्ड बिजनेस रिव्यू सजेस्ट करता है कि इसके लिए काम के पुराने तरीकों में थोड़े-थोड़े बदलाव करती रहें। कोई काम चुनौतीपूर्ण लगे तो उसे कागज पर लिख लें, चुनौतियों को नोट कर लें और एक-एक कर उन्हें दूर करती चलें। इसमें आपको मजा आने लगेगा और कॉन्फिडेंस भी बढ़ता जाएगा।

रिलैक्स करें माइंड

जहां तक संभव हो दिन की शुरुआत और अंत हल्का और रिलैक्स्ड करना चाहिए। बेहतर परफॉर्मेंस के लिए अपने मन को सुकून देना बहुत जरूरी होता है। इस समय का इस्तेमाल काम करने के लिए नहीं बल्कि यह प्लान करने के लिए करें कि आपको अपना आज या कल का दिन किन कामों में इस्तेमाल करना है और कौन-सा काम कब करेंगे? इस दौरान आपको कई क्रिएटिव आइडियाज भी आएंगे, जो आपको प्रोडक्टिव बनाएंगे। अगर आप संगीत सुनना पसंद करती हैं तो रिलैक्स होने के लिए फेवरेट म्यूजिक या सॉन्ग सुन सकती हैं।

मेंटल ट्रैप से बचें

अगर अपने ऑफिस वर्क के दौरान बिल्कुल समय ही नहीं बचता तो गौर करें कि उस दौरान कहीं आप यूजलेस वर्क करने, दूसरों को सपोर्ट देने में या गॉसिपिंग में तो टाइम वेस्ट नहीं करती हैं? 'ऑफ द क्लॉक' पुस्तक की लेखिका लॉरा वेंडरकैम इसे मेंटल ट्रैप कहती हैं। वह सलाह देती हैं, 'आपका समय ऐसी चीजों या काम में लगना चाहिए, जो आपको आर्थिक, सामाजिक, मानसिक और पारिवारिक लाभ दे और आपको रचनात्मक रूप से संतुष्ट भी रखे।'

कहने का सार है कि स्मार्ट वर्किंग वूमेन बनना बहुत टफ नहीं है। इसके लिए केवल आपको अपने वर्क को स्मार्टली मैनेज करना आना चाहिए।

संयम और समझदारी से करें अपमानजनक स्थितियों का सामना

घर-परिवार, रिश्तेदारी, आस-पड़ोस या कार्यस्थल पर कई बार कोई व्यक्ति हमें अपमानित कर देता है, मन को ठेस पहुंचाने वाले शब्द बोल देता है। ऐसे में तुरंत प्रतिक्रिया करने या जैसे को तैसा जवाब देने के बजाय संयम और समझदारी से काम लेना चाहिए। ऐसा आप कैसे कर सकती हैं, यहां बता रहे हैं।

सेल्फ मोटिवेशन
मोनिका शर्मा

अब पछताए होत का, जब चिड़िया चुग गई खेत। यह कहावत जानने भर की नहीं मानने-समझने योग्य भी है। विशेषकर ऐसी स्थिति में, जब आपके मान को ठेस पहुंची हो। किसी ने दिल दुखाया हो। जान-बूझकर कमतर आंकने का खेल खेला हो। दरअसल, अपमानित होने की स्थिति में इंसान कुछ भी कर गुजरता है। आपराधिक घटनाओं से लेकर अभद्र व्यवहार तक कर जाने के ऐसे मामले आए दिन सुर्खियां बनते हैं। अधिकतर घटनाओं में बात केवल शांत मन से ठहर कर सोचने भर की होती है। असल में मन को ठेस पहुंचने की स्थिति में सोचने-समझने की सुध-बुध ही खो जाती है। मन को दुखाते ऐसे अवसरों पर जरा ठहरने में ही समझदारी है।

अपनी मनःस्थिति को समझिए: अपमानजनक परिस्थितियों में सबसे पहले तो अपनी मनःस्थिति को समझना और संभालना जरूरी होता है। भावनात्मक रूप से उन शब्दों से मत जुड़िए, जो आपका मन दुखाने के इरादे से ही कहे गए हैं। इरादतन मन को चोट पहुंचाने के लिए किए गए व्यवहार को दिल से मत लगाइए। अपने मन-मस्तिष्क को यह समझाना जरूरी है कि कोई भी दुर्भाव भरी बात आपके पूरे व्यक्तित्व पर प्रश्न खड़ा नहीं कर सकती। आपकी वैचारिक समझ को सवालों के घेरे में नहीं ला सकती है। ऐसे में आपको लेकर की गई नकारात्मक टिप्पणी या असभ्य बात को एक शब्द या वाक्य भर मानें। यह स्वीकार्यता स्वयं अपनी मनःस्थिति को समझे बिना संभव नहीं। ध्यान रहे कि अपने मन को समझ कर ही ऐसी उलझन भरी स्थिति में अपने आप को ऐसी समझाइश दी जा सकती है। यह समझाइश ही तनाव और आहत मन से खुद को निकालने में मददगार हो सकती है।

दूसरे पक्ष को भी समझिए: कई बार आपको भला-बुरा या अपमानजनक शब्द कह डालने वाला इंसान खुद ही उलझाऊ मनोभावों से घिरा होता है। किसी ना किसी तरह की पीड़ा या परेशानी उसे भी घेरे होती है। ऐसे लोग बाद में पछताते हैं। अपने बर्ताव के लिए बाद में माफी भी मांगते हैं पर अपमानित किए जाने की पीड़ा व्यक्ति के मन में घर बना चुकी होती है। इसके चलते सामने वाले इंसान को समझे बिना उसे और बड़ी चोट पहुंचाने का रास्ता चुन लिया जाता है। लाजिमी भी है क्योंकि कभी-कभी दूसरे लोगों का बर्ताव और शब्द इंसान के मन में बहुत परेशान करने वाली भावनाएं पैदा कर देते हैं। ऐसे में यह सोच पाना संभव नहीं कि अगले इंसान का दिलो-दिमाग भी दुख-तकलीफ या किसी तरह के असहनीय तनाव के हालात का शिकार हो सकता है। इसीलिए दूसरे इंसान के पक्ष को जानना-समझना भी आवश्यक है। ऐसे में अगर आप स्वयं को समझा पाने में असफल महसूस करें तो किसी आत्मीय मित्र से सारी बात साझा करें। वह आपके मनोव्यक्तित्व को जानकर स्थितियों को समझने में आपकी मदद करेगा। इससे आपको अपने भीतर के द्वंद्व से बाहर निकलने में मदद मिलेगी।

ठहराव को चुनिए: यह सच है कि अपमानजनक स्थिति का सामना करते समय खुद को संयत रखना मुश्किल होता है। मन में आक्रोश उमड़ने लगता है पर स्थिति को बहुत बिगड़ने से रोकने के लिए, थोड़ा ठहर जाना चाहिए। कभी-कभी ऐसी स्थिति में बहस या जवाब-तलब करने के बजाय चुप रह जाना ही अच्छा होता है। संभव हो तो ऐसी स्थिति को हंसकर टालने की राह ही चुनें। इस बर्ताव से होने वाले नुकसान को समझें। पल भर के आक्रोश के खामियाजे समझने का भाव ठहराव की ओर ले जाता है। जिंदगी में शांति और सुकून के लिए यह जरूरी है।

अब वो जमाने लद गए, जब बहू के आते ही घर में क्लेश शुरू हो जाता था। आज की बहू पारंपरिक सोच से उबरकर नई सोच और ऊर्जा लेकर नए घर में आती है, जिसमें हर रिश्ते के लिए होता है भरपूर प्रेम, स्नेह और सम्मान।

नई सोच-ऊर्जा लेकर आती है आज की बहू

रिश्ते
यशोधरा भटनागर

पार्क में शीला जी को देख एकाएक मैं चौंक गई। नए फैशन का सलवार-सूट और पैरों में महंगे स्कैचर्स। उन्हें देखकर अच्छा भी लगा और थोड़ी कुढ़न भी हुई। 'क्या बात है बहुत खुश और बदली-बदली लग रही हो?' मेरे पूछने पर वे मुस्कुराईं और धीरे से बोलीं, 'नई बहू जो आ गई है।'

'अच्छा तो यह बात है। घर-बार उस बेचारी को सौंप तुम मजे कर रही हो।' आखिरकार मैंने अपने मन की बात को बाहर निकाल ही दिया। इस पर वह तुरंत बोल पड़ीं, 'नहीं! नहीं! प्रिया ने मुझे सिखाया कि मेरी अपनी भी जिंदगी है। सबके लिए अपना ख्याल रखना भी जरूरी है। मुझे लैपटॉप, मोबाइल फोन और बहुत कुछ उसने सिखा दिया है। बहू नहीं मेरी सहेली है। चलती हूं, प्रिया ऑफिस से लौटने वाली होगी। आज हमारा शॉपिंग के लिए जाने का प्लान है।' घड़ी की ओर देखती शीला जी अपने घर की ओर चल दीं। मैं उन्हें जाते देखते सोचती रह गई।

इसमें कोई दो राय नहीं कि जब किसी की बेटी घर में बहू बनकर जाती है, तो वह एक साथ कई भूमिकाएं लेकर आती है। बहू केवल एक रिश्ता नहीं, बल्कि वह पूरे घर को प्रेम, ऊर्जा और उम्मीद से भर देती है।

ससुर को देती है पिता जैसा स्नेह

केवल सास ही नहीं, ससुर की देखभाल में भी आज की बहुएं कोई कसर नहीं छोड़ती हैं। उन्हें टाइम पर दवाइयां देना, उन्हें डॉक्टर के पास ले जाना, पार्क में टहलने ले जाना, उनके संग डिस्कशन करना, उनकी मनपसंद डिशेज बनाकर खिलाना, उनके बैंक के काम ऑनलाइन करवाने में मदद करना जैसे कई काम वे खूब उत्साह से करती हैं। ससुर को लगता है जैसे बहु के रूप में उन्हें एक और बेटी मिल गई है।

समझती-निभाती है अपनी जिम्मेदारियां: समय के साथ हर रिश्ते में स्त्रियों ने अपनी भूमिका को समझा है और उससे जुड़ी जिम्मेदारियों को निभाती भी हैं। आज के दौर में बहू के रूप में आने वाली बेटियां, उच्च शिक्षा प्राप्त होती हैं, आत्मनिर्भर होती हैं और तकनीकी रूप से सक्षम भी होती हैं। वे जानती हैं कि उन्हें सिर्फ रोटियां ही नहीं बेलनी, रिश्तों को भी संजोना है, संवारना है। वे घर की चहारदीवारी में सीमित नहीं रहती हैं, बल्कि घर से बाहर की जिम्मेदारियां भी उतनी ही सजगता से निभा रही हैं।

सास की बन जाती है सखी: आज की बहू सास के खिलाफ साजिश या उनसे बहस नहीं बल्कि दोस्ती करती है। वह सास को व्हाट्सएप ऑपरेट करना सिखाती है, फेसबुक पर अकाउंट बनवाती है, उन्हें टेक्नोस्मार्ट बनाती है।

हर परिस्थिति में रहती है सहज: नए दौर की बहू बहुत समझदारी से हर कंडीशन को हैंडल करना जानती है। समस्या की घड़ी हो या कोई आकस्मिक परिस्थिति, वह घबराती नहीं है। धैर्य के साथ सहज होकर वह उचित निर्णय लेती है। घर के हर फैसले में अपनी भागीदारी निभाती है, और जरूरत पड़ने पर पूरे परिवार को संभालती है।

यही होती है उसकी अपेक्षा: अगर हम बहू को सम्मान, स्वतंत्रता और स्नेह देंगे, तो वह और भी तन्मयता से घर को संजोने में खुद को अर्पित कर देगी। वह बस इतना चाहती है कि उसे समझा जाए, सराहा जाए और स्वीकार किया जाए।

फैशन ट्रेंड
ललिता गोयल

तब आप दिखेंगी स्टाइलिश-अट्रैक्टिव

अब मौसम बदलता है तो न केवल ड्रेसअप, फैशन ट्रेंड भी बदल जाता है। हालांकि कई जगहों पर बारिश शुरू हो चुकी है लेकिन उमस भरी गर्मी अभी भी बनी हुई है। ऐसे में हर महिला कुछ ऐसा पहनना चाहती है, जो हल्का और सुकून देने वाला तो हो ही, साथ ही कूल और स्टाइलिश लुक भी दे।

फैशन के साथ कंफर्ट भी: उमस वाली गर्मी में फैशन और कंफर्ट का सही बैलेंस बनाए रखने के लिए लाइट, ब्रीदेबल और ट्रेंडी फैब्रिक वाली ड्रेस पहननी चाहिए। इससे आपका लुक कूल और क्लासी भी लगेगा। गर्मी में कॉटन के अलावा रेयॉन, सिल्क, ऑर्गेंजा सिल्क, जॉर्जेट, शिफॉन, लिनेन जैसे फैब्रिक को आप अपनी वार्डरोब में जगह दे सकती हैं। इन फैब्रिक की साड़ियों से लेकर सूट और वेस्टर्न अटायर तक बेहतरीन लगते हैं। गर्मी में फ्लावरी प्रिंट की लंबी ड्रेस, वन शोल्डर मिडी ड्रेस, रफल ड्रेस, स्टेपी मैक्सी ड्रेस विद लिनेन जैकेट शॉर्ट्स और टॉप या जंपसूट भी बहुत अच्छे लगते हैं। स्लीवलेस कॉटन मिडी इस सीजन में कूल-क्लासी लुक देते हैं। अगर आप अपने समर लुक में फ्रेशनेस और एलिगेंस चाहती हैं, तो ब्लू और व्हाइट फ्लोरल प्रिंट वन पीस परफेक्ट चॉइस हो सकती है। यह आपको कूल और फ्रेश लुक देगी।

आउटफिट कलर: मौसम के हिसाब से फैब्रिक का सही कलर चुनना जरूरी होता है। गर्मी में आपको न्यूट्रल कलर की ड्रेस पहननी चाहिए। वैसे तो व्हाइट कलर इस सीजन के लिए बेस्ट कलर माना जाता है। इसके अलावा आप लाइट ग्रीन, यलो, बेबी पिंक, स्काई ब्लू, टरक्वायज ब्लू, बेज या ग्रे कलर भी चुन सकती हैं।

स्टाइलिश सनग्लासेस-हैट्स: इस सीजन में घर से बाहर निकलते समय स्टाइलिश सनग्लासेस और हैट पहनने से न सिर्फ धूप से बचाव होता है, बल्कि ये आपको स्टाइलिश भी दिखाते हैं। ये दोनों ही चीजें आपके ओवरऑल लुक में एक्स्ट्रा स्टाइल एड करती हैं।

एसेसरीज-मेकअप हो सुटेबल: उमस भरी गर्मी के दिनों में लाइट वेट ज्वेलरी कैरी करनी चाहिए। यह कंफर्टेबल होने के साथ-साथ आपको एलिगेंट लुक देती है। गर्मी में पेस्टल कलर की ज्वेलरी जैसे सॉफ्ट पिंक, कोरल, सिल्वर ज्वेलरी, कलरफुल बीड्स की फंकी ज्वेलरी स्टाइलिश और कूल लुक देती है। इसके अलावा एसेसरीज में स्टड ईयररिंग्स, पर्ल ड्रॉप ईयररिंग, कोरल ब्रेसलेट,फूल-पत्तियों के पैटर्न वाले नेकपीस शामिल कर सकती हैं। इस सीजन में लाइट मेकअप ही करें।

(फैशन डिजाइनर मीनाक्षी खंडेलवाल से बातचीत पर आधारित)

मेडिकल सजेशन
डॉ. नीता सिंह
सीनियर प्रोफेसर-गायनेकोलॉजी
एम्स, नई दिल्ली

प्रेग्नेंसी के दौरान कई महिलाओं को हाई ब्लड प्रेशर होता है। लेकिन जब यह कंट्रोल से बाहर होने लगे और साथ में अन्य समस्याएं भी होने लगें तो लापरवाही न करें। ऐसे में क्या करें, डिटेल में बता रहे हैं।

अगर प्रेग्नेंसी के दौरान होने लगे हाई ब्लड प्रेशर

प्रेग्नेंसी में आमतौर पर 20वें से लेकर 24वें सप्ताह से गर्भवती महिला का ब्लड प्रेशर बढ़ना शुरू हो जाता है, जिसे जेस्टेशनल हाइपरटेंशन या प्रेग्नेंसी इंड्यूस हाइपरटेंशन कहा जाता है। यानी, महिला को गर्भावस्था से पहले ब्लड प्रेशर की शिकायत नहीं होती, लेकिन गर्भावस्था के 20वें सप्ताह के बाद उसे हाई ब्लड प्रेशर हो जाता है। इसकी वैल्यू 140/90 मिमी एचजी को पार कर सकती है। डॉक्टर इसकी रीडिंग कम से कम 6 घंटे के अंतराल पर दिन में दो बार करते हैं। हाई ब्लड प्रेशर होने पर यूटरस में प्लेसेंटा के माध्यम से बच्चे में जाने वाला ब्लड सप्लाई पूरी तरह से नहीं हो पाती। इसकी वजह से बच्चे में ऑक्सीजन और पौष्टिक तत्वों की आपूर्ति कम मात्रा में होती है। इस वजह से बच्चे के जन्म के समय लो बर्थ रेट, बच्चे का विकास समुचित नहीं होता, बच्चा कमजोर पैदा हो सकता है।

क्या है प्री-एक्लेंपसिया: जब गर्भवती महिला का ब्लड प्रेशर कंट्रोल नहीं हो पाता है, तो उसके विभिन्न अंग प्रभावित हो सकते हैं। उनमें सबसे महत्वपूर्ण है, किडनी खराब होना जिससे यूरिन में प्रोटीन और यूरिया आने की समस्या शुरू हो जाती है। इस स्थिति को प्री-एक्लेंपसिया कहा जाता है। 24 घंटे में महिला के शरीर से यूरिन में 2 ग्राम से अधिक प्रोटीन निकलने लगता है। प्री-एक्लेंपसिया में मां के यूटरस से प्लेसेंटा अलग हो सकता है, प्लेसेंटल एब्रप्शन, यूटेरस में ब्लीडिंग या फिर प्री-टर्म डिलीवरी हो सकती है।

तब कंडीशन हो जाती है सीरियस: प्री-एक्लेंपसिया के लक्षण पहचाने न जाने और उचित उपचार न हो पाने पर एक्लेंपसिया की स्थिति आ सकती है। इसमें गर्भवती महिला को दौरे या फिट्स आने लगते हैं, जिसे एक्लेंपिक फिट कहा जाता है। ये दौरे काफी गंभीर होते हैं, जिसमें उसे मिर्गी के दौरे के समान बहुत जोर-जोर से झटके आने लगते हैं। झटकों के साथ महिला के शरीर में बदलाव होने से गर्भ में पल रहे बच्चे में ब्लड सप्लाई बंद हो सकती है। कई महिलाएं झटकों को संभाल नहीं पातीं, गिर जाती हैं। ऐसे में बहुत तेज झटकों के कारण महिला-बच्चे दोनों की मौत हो सकती है। ब्लड प्रेशर और फिट्स कंट्रोल करने के लिए समुचित मेडिसिन देकर उनका उपचार संभव हो जाता है।

इन्हें होता है ज्यादा रिस्क

- जिस महिला की पहली प्रेग्नेंसी हो।
- मां की आयु 20 साल से कम या 35 साल से अधिक हो।
- गर्भ में पल रहे बच्चे जुड़वां हों।
- प्रेग्नेंसी आइवीएफ से हो।
- मां अगर स्मोकिंग या दूसरे ड्रग्स लेती हो।
- गर्भावस्था के पहले से ही ब्लड प्रेशर, डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारियां हों, मोटापा हो, पहली प्रेग्नेंसी में हाई ब्लड प्रेशर रहा हो या इसकी फैमिली हिस्ट्री हो।

प्रमुख लक्षण: प्रेग्नेंसी के दौरान अगर महिला यहां बताए जा रहे लक्षण महसूस करती है तो बिना देर किए डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए। जैसे- बीपी बढ़ना, 10-15 दिन में 2-3 किलो वजन बढ़ना, हाथ-पैरों या शरीर के किसी भी अंग में सूजन आना, चक्कर आना, जी घबराना, उल्टी आना, आंखों से धुंधला दिखना, सिर दर्द होना।

क्या है उपचार: एक्लेंपसिया के उपचार की प्रक्रिया में ब्लड प्रेशर को एंटी-हाइपरटेंसिव मेडिसिन पेशेंट को देकर तुरंत कंट्रोल करना पड़ता है। एक्लेंपसिया के लिए मरीज को इंजेक्शन के माध्यम से भी दवा देते हैं। इसमें समय पर ट्रीटमेंट जरूरी है।

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

खबर संक्षेप

समाधान शिविर में सुनीं सीटीएम ने समस्याएं

चरखी दादरी। सोमवार को लघु सचिवालय के सभागार में प्रदेश सरकार द्वारा नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से समाधान शिविर का आयोजन किया। शिविर में नगराधीश जितेन्द्र कुमार ने समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का समाधान प्राथमिकता के आधार पर और समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसेवा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शिविर प्रशासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही को बल मिलता है। शिविर के दौरान प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, भूमि पंजीकरण, समाज कल्याण पेंशन, राशन कार्ड आदि से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रहीं।

जनता जजपा की नीतियों में जता रही है विश्वास

भिवानी। जननायक जनता पार्टी की नीतियों में आमजनता विश्वास दिखा रही हैं। जिसके चलते जजपा का कुनबा दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। यह बात पूर्व विधायक नैना चौटाला ने सदस्यता अभियान के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कही। सोमवार को गांव धनाना में जजपा का सदस्यता अभियान चलाया गया। इस दौरान जजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने आम जनता को जजपा की नीतियों से अवगत करवाया तथा पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला द्वारा जनहित में लागू की गई योजनाओं की जानकारी भी दी। नैना चौटाला ने कहा कि आज प्रदेश की जनता पूर्व उपमुख्यमंत्री द्वारा लागू की गई योजनाओं से काफी खुश है, जिसके नतीजन जजपा सदस्यता अभियान में लोग बढ़-चढ़कर भाग ले रहे है जजपा का कुनबा दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। इस मौके पर शीला देवी ने इनेलो को छोड़ कर जजपा में आस्था जताई नैना चौटाला ने पार्टी का पटका पहना कर पार्टी में विधिवतरुप से शामिल करवाया।

उपचुनाव जीतकर भाजपा की बड़ी मात दीः चांदवास

बाढड़ा। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं जिला सचिव राकेश चांदवास ने कहां कि गुजरात की विदावसर विधानसभा उपचुनाव में आम आदमी पार्टी में बड़ी जीत हासिल करके जहां भाजपा को बड़ा झटका दिया है वही देश में यह भी साबित कर दिया कि आने वाला समय आम आदमी पार्टी का होगा गुजरात में आम आदमी पार्टी में बड़ी जीत हासिल करने के बाद कार्यकर्ताओं में खुशी में लड्डू बाटकर एक दूसरे को बधाई है । उन्होंने कहा है कि भाजपा के शासनकाल से हर वर्ग दुखी है भ्रष्टाचार चरम सीमा पर चढ़ा हुआ है चरखी दादरी जिले में नशा अव्वल दर्जे पर है फर्जी आंकड़े प्रकाशित की जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अनुच्छेद 370 व 35ए समाप्त करवाकर डॉ. मुखर्जी का स्वप्न किया पूरा: सरफि

विधायक आवास पर मनाया डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस, दी श्रद्धांजलि

विधायक घनश्याम सर्राफ ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनकी स्मृति में पौधरोपण किया।

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। बूथ नंबर-16 स्थित विधायक आवास पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि देते विधायक घनश्यामदास सर्राफ व अन्य। *फोटो: हरिभूमि*

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर सोमवार को बूथ नंबर-16 में विधायक घनश्यामदास सर्राफ के आवास पर कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर विधायक घनश्याम सर्राफ ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा इसके उपरांत उनकी स्मृति में पौधरोपण किया।

विधायक सर्राफ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को भारतीय संविधान के दायरे में लाने और एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान के विरोध में सबसे पहले आवाज उठाने वाले भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद का ये स्वप्न स्वतंत्रता प्राप्ति के सात दशक बाद तब पूरा हुआ, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने वर्ष 2019 में संसद में संविधान के अनुच्छेद 370 एवं 35ए को समाप्त करने का विधेयक पारित करवाया। इसके बाद ही जम्मू-कश्मीर भारत देश का सही मायनों में अभिन्न अंग बना। उन्होंने कहा कि विशेष राज्य का दर्जा, अलग संविधान, देश के अन्य प्रदेशों के नागरिकों के जम्मू-कश्मीर में प्रवेश के लिए परमिट की आवश्यकता जैसी जिन शर्तो एवं नियमों के साथ जम्मू-कश्मीर को भारत में शामिल किया था, लेकिनडॉ. मुखर्जी प्रारंभ से ही उसके विरोध में थे। उन्होंने बाकायदा जम्मू कश्मीर जाकर विरोध दर्ज करवाया, लेकिन उनका ये स्वप्न उनके जीते जी पूरा नहीं हो पाया और रहस्यमय परिस्थितियों में 23 जून 1953 को उनकी मृत्यु हो गई।

उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने जीत-जीत जम्मू-कश्मीर को लेकर अपने विचारों पर कभी समझौता नहीं किया। इस अवसर पर पर्यावरण प्रहरी विजय सिंहमार, दीपक नहाडिया, मनीष सोनी, कपूर लडवाल, वीरेंद्र हलवास, ललित चौहान, आनंद पीए, नरेश जांगड़ा, कृष्ण, सुनील सैनी, विनोद आदि मौजूद रहे।

प्रखर राष्ट्रवादी विचारक

इस मौके पर भाजपा स्वच्छता विभाग के जिला संयोजक रमेश सैनी ने कहा कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय एकता व अखंडता के पर्याय, एवं प्रखर राष्ट्रवादी विचारक थे, जिनकी राष्ट्र एकता के लिए दिए गए बलिदानों को भुलाया नहीं जा सकता।

बवानीखेडा। डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि द्वारा नगर पालिका चेयरमैन सुंदर अत्री और पुष्प अर्पित करते हुए।

देश की एकता व अखंडता के प्रबल समर्थक थे डा.मुखर्जी

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

- 6 जुलाई 1901 को एक संभ्रात परिवार में हुआ था जन्म

भारतीय जनसंघ के संस्थापक वरिष्ठ नेता और भारत की एकता व अखंडता के प्रबल समर्थक डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर हल्का बवानी खेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने नगर पालिका चेयरमैन सुंदर अत्री और भाजपा कार्यकर्ताओं ने संग मिलकर पुष्प अर्पित किए।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए विधायक कपूर वाल्मीकि ने बताया कि डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को एक संभ्रात परिवार में हुआ था। महानता के सभी गुण उन्हें विरासत में मिले थे। उनके पिता आशुतोष बाबू अपने जमाने के प्रख्यात शिक्षाविद थे।

उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना और भारत की एकता व अखंडता के त्याग किया। इसलिए उनके कार्यों को भुलाया नहीं जा सकता। वहीं नपा प्रधान सुंदर अत्री ने भी डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बारे में गहनता से बताया। इस अवसर पर भाजपा नेता मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने डा. श्यामा प्रसाद को किया नमन

बाढड़ा। जनसंघ के संस्थापक और पहली सरकार मे उद्योग मंत्री रहे डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का आज बलिदान दिवस पूरे देश में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मनाया जा रहा है। बाढड़ा कस्बे में सतनाली रोड पर भाजपा नेता मोहन लाल सैनी की अध्यक्षता में जनसंघ के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस भाजपा कार्यकर्ता व सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों द्वारा मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथ पूर्व जिला अध्यक्ष मुनीश बडेसरा ने बताया कि आज के दिन डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान कश्मीर में एक साजिश के तहत हुआ था। उस समय की नेहरू सरकार ने जम्मू और कश्मीर को देश का अलग हिस्सा बताया था उसके विरोध में मुखर्जी ने मंत्री पद से इस्तीफा दिया था और जनसंघ की स्थापना की। 1952 के चुनाव में सांसद बने फिर कश्मीर गए वहां पर उस समय की नेहरू सरकार ने साजिश रच उनको मरवा दिया और मुखर्जी बलिदान हो गए। जिला उपाध्यक्ष सपना सैन ने कहा कि भाजपा सरकार ने मुखर्जी का सपना साकार किया है धारा 70 तोड़ कर, राम मंदिर बनाया है। आज हम उनके दिखाए रास्ते पर मोदी सरकार चल रही है। इस दौरान मुनीश बडेसरा, जिला उपाध्यक्ष सपना सैन, मंडल उपाध्यक्ष मोहन लाल सैनी, विनोद जांगड़ा, सुशीला देवी, हवासिंह सैन, डा अशोक शर्मा, धनासरी, अजीत दहिया, विक्रम सिंह, भीम ठेकेदार आदि मौजूद रहे।

डॉ. मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

- डॉ. श्यामा प्रसाद की याद में रोपित किए 101 पौधें

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते भाजपाई।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक प्रखर राष्ट्रवादी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस को भारतीय जनता पार्टी ने पर्यावरण संरक्षण के रूप में मनाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर लोहारू मंडल अध्यक्ष रोहताश चौहान की अध्यक्षता में लोहारू में डॉ. श्यामा प्रसाद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य कर उनके नाम से 101 पौधों का रोपण किया।

कार्यक्रम के संयोजक रामकिशन शर्मा टिकेवाला रहे। मंडल अध्यक्ष रोहताश, वरिष्ठ भाजपा नेता विजय शेखावत व लोहारू नपा चेयरमैन प्रदीप तायल ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया, उनके बलिदान को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं। पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और हर पौधा भविष्य को संजीवनी देता है। इस अवसर पर मंडल महामंत्री विपिन सैनी, पूर्व नगर पालिका चेयरमैन दौलतराम, बलवान जांगड़ा, राजकुमार सरपंच, पार्षद रवि केडिया, अशोक सैनी आदि मौजूद रहे।

एक विधान दो संविधान के खिलाफ उठाई थी आवाज

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

तोशाम। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

सोमवार को क्षेत्र के गांव बिडोला में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस मनाया गया। इस दौरान भाजपा नेता अनिल शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में शिरकत की वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता ईशरवाल मंडल अध्यक्ष कुलदीप महला ने की। इस मौके पर उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा नेता अनिल शर्मा ने कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन संघर्ष पूर्ण रहा।

वर्तमान पीढ़ी तथा भावी पीढ़ी को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन से सीख लेनी चाहिए तथा उनके आदर्शों को अपने जीवन में बनाना चाहिए। अनिल शर्मा का कहना था कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक विधान दो संविधान के खिलाफ आवाज उठाई थी। सोमवार को भी तोशाम क्षेत्र के गांव बिडोला में भाजपा कार्यकर्ताओं ने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित कर उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की है। इस अवसर पर राजकुमार जांगड़ा, पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा दरियापुर, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजपाल कड़वासरा, भगवान परशुराम जनसेवा समिति के अध्यक्ष सुनील शर्मा, संयोजक राज भेरा, संजय आलमपुर, रामवीर प्रधान, मदन बिडोला, सतीश पूनिया आदि मौजूद रहे।

अच्छे विचारक एवं प्रखर शिक्षाविद थे मुखर्जी

तोशाम। जेबीडीएम कॉलेज ऑफ़ स्पेशल एजुकेशन सरल में ईश्वरवाल मंडल उपाध्यक्ष संदीप सुरा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओ ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा के सामने पुष्प अर्पित कर उनको श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उपाध्यक्ष संदीप सूरा ने भाजपा कार्यकर्ताओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि वे एक अच्छे विचारक तथा प्रखर शिक्षाविद के धनी थे। ईशरवाल मंडल उपाध्यक्ष संदीप सुरा व जेबीडीएम कॉलेज के कोऑर्डिनेटर सुशील वर्मा तथा भाजपा कार्यकर्ताओ ने जेबीडीएम कॉलेज ऑफ़ स्पेशल एजुकेशन प्रांगण में पौधारोपण भी किया गया। इस अवसर पर नरेश शर्मा, अनिल झाझड़ीया, कमल कस्वां, प्रवीण, राजेश आदि मौजूद रहे।

डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी को किया याद

भिवानी। गांव बापोड़ा में 113 नंबर बूथ पर बूथ अध्यक्ष अमित बापोड़ा की अध्यक्षता में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस मनाया। इमरान बापोड़ा ने बताया कि डॉ. श्यामा प्रसाद एक भारतीय शिक्षाविद, राजनीतिज्ञ और भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे, उनका जन्म 6 जुलाई 1901 को कलकत्ता में हुआ था और 23 जून 1953 को उनका निधन हो गया था। उन्होंने बताया कि वे भारत के पहले उद्योग और आपूर्ति मंत्री थे। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष जगत कौशिक, मण्डल महामंत्री दिनेश, अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष ईमरान बापोड़िया, पूर्व बीडीसी सुरेंद्र वाल्मीकि, मेंबर कैप्टन वेदप्रकाश, गुलशन, सूरज भगत, राहुल, मुकेश कांगड़ा, राजेश, नरेश मोहित व सुमित आदि मौजूद रहे।

पौधरोपण कर दी श्रद्धांजलि

- युवाओं के लिए मार्गदर्शक है डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार: शास्त्री

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को नमन करते कैरू मंडल के संयोजक सुनील शास्त्री व अन्य। *फोटो: हरिभूमि*

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर सोमवार को कैरू मंडल के संयोजक सुनील शास्त्री के नेतृत्व में गांव पत्थरवाली, जुई, ललहाना, ढांगर, बाबेरवास व लोहानी आदि स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस मौके पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित उनकी स्मृति में पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर कैरू मंडल के संयोजक सुनील शास्त्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने एक देश, एक विधान, एक प्रधान, एक निशान के सिद्धांत को लेकर जो आंदोलन छेड़ा, वह देश की एकता एवं अखंडता के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर में अलग संविधान का विरोध करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी और देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी के विचार आज भी युवाओं के लिए मार्गदर्शक हैं और हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर देशहित में कार्य करते रहना चाहिए। इस मौके पर सरपंच रमेश गिल, राजेश लांबा, संदीप तंवर, डॉ. नरेंद्र, बाबूलाल, बीनू शर्मा, मुकेश एसपी, सुरेश शास्त्री, सतबीर यादव, कपिल शास्त्री, अक्षय सारासर, सुभाष जांगड़ा आदि मौजूद रहे।

भाजपाइयों ने डॉ. श्यामा प्रसाद को दी श्रद्धांजलि

भिवानी। पृथ्वी पर समय-समय पर महान विभूतियां अवतरित होती है, जो अपने महान कार्यों व विलक्षण बुद्धि के कारण हमेशा-हमेशा के लिए इतिहास में अमर हो जाते हैं और समाज उनका हमेशा ऋणी रहता है, ऐसे ही महान विभूति भारत भूमि पर अवतरित हुए थे डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी। राष्ट्रीय एकता व अखंडता के पर्याय, महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद का आज शहीदी दिवस है। प्रख्यात विचारक एवं शिक्षाविद डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनके शहीदी दिवस पर भाजपाइयों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर भाजपा नेता रीतिक वधवा ने कहा कि डॉक्टर मुखर्जी ने अपना जीवन भारत माता की सेवा में समर्पित कर दिया था। डॉक्टर मुखर्जी का ऊर्जावान व्यक्तित्व देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। इस मौके पर धर्मेंद्र अरोड़ा, भूपेंद्र तिगड़ी, अनेक भाजपाइयों ने डॉ. श्यामा प्रसाद को श्रद्धांजलि दी।

42 युवाओं ने किया रक्तदान

- पूर्व चेयरमैन स्व. नंदलाल चावला की 17वीं पुण्यतिथि कैंसर पीड़ितों के रही नाम

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। पूर्व चेयरमैन स्व. नंदलाल के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए।

नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन स्व. नंदलाल चावला की 17 वीं व डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर पौधरोपण व रक्तदान शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पार्षद व पूर्व भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विनोद चावला ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा जिला अध्यक्ष विरेन्द्र कौशिक ने नगर परिषद के प्रांगण में पौधारोपण व नंदलाल चावला की प्रतिमा पर पुष्पार्पित करके किया। विरेन्द्र कौशिक ने कहा कि स्व. नंदलाल चावला ने नगर परिषद के चेयरमैन रहते हुए भिवानी शहर के विकास के लिए अनेक कार्य किए। वे एक ईमानदार और साफ छवि के व्यक्तित्व वाले थे, वे सभी पार्षदों व नगर परिषद के स्टाफ सदस्यों को साथ लेकर चलते थे। इसे के साथ-साथ वे निडर भी थे जिसके चलते उन्होंने भू माफियाओं के आगे अपने घुटने नहीं टेके और ईमानदारी की मिसाल पैदा की। जिसके कारण उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। विनोद चावला ने बताया कि इस दौरान नगर परिषद के प्रांगण में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एएमएस बाड़सा अस्पताल के चिकित्सकों की टीम ने 42 युनिट रक्त एकत्रित किया।

म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन ने करवाया पौधरोपण

अभद्रता रोकने मैदान में आई महिला कलाकार

- डॉ. सुशीला जांगड़ा को संगठन की महिला प्रमुख नियुक्त किया

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। कार्यक्रम को संबोधित करते संगठन के पदाधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

समाज में गानों के माध्यम से फैलाई जा रही अभद्रता को रोकने के लिए महिला कलाकार भी मैदान में उतर चुकी हैं, ये बात म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक ने अग्रोह में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

कार्यक्रम में कौशिक ने हरियाणवी लेखक डॉ. सुशीला जांगड़ा को संगठन की महिला प्रमुख नियुक्त किया। उन्होंने अपनी नियुक्ति पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक का आभार जताया और विश्वास दिलाया कि वे संगठन की नीतियों से युवाओं को जागरूक करेंगी तथा महिला कलाकारों की टीम के साथ मिलकर प्रदेश में गानों के माध्यम से फैलाई जा रही अभद्रता पर रोक लगाने के लिए आवाज को बुलंद करेंगी। सरपंच डॉ. मनदीप योगी ने मुहिम में हरसंभव मदद करने का आश्वासन दिया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर बीरमती काजल, सुनीता मलिक भिवानी, आरती दुग्गल बहादुरगढ़, नीलम सहारावत, मंजू जींद, पूनम हिसार, मंजू करेला, पींकी जांगड़ा, पूनम धानसु, सुदेश हिसार, अंजु हिसार, मीना हांसी, खुशी अग्रोहा, कलावती, निर्मला, सुमन, विनोद कुमारी, पालो, दशरथ पहलवान अग्रोहा, सोनू राजस्थानी, संजय गोरखपुर, जयबीर दहमन, आनंद निगाणा, राकेश गौड़, सुनील शर्मा उमरावत, धर्मवीर नागर भिवानी आदि उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

छह सितंबर को मनाया जाएगा ट्रांसपोर्ट दिवस

भिवानी। अखिल भारतीय ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन पूरे भारत वर्ष में 500 जगहों पर छह सितंबर को ट्रांसपोर्ट दिवस मनाएंगी। जानकारी देते हुए अखिल भारतीय ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेन्द्र चौधरी ने बताया कि छह सितंबर को रक्तदान शिविर व आंखों का जांच शिविर लगाया जाएगा और वरिष्ठ ट्रांसपोर्टर व ड्राईवर भाईयों को सम्मानित किया जाएगा।

वृक्ष हमारे जीवन के आधार: बलाली

बाढड़ा। वृक्षों से हमें छाया के साथ ही फल भी मिलते हैं और वृक्ष हमें ऑसीजन प्रदान करने साथ ही पर्यावरण को संतुलित करने में सहायक होते हैं। हमें पेड़ों के काटने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करना चाहिए, 1योंकि पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं।

जांगिड़ ब्राह्मण सभा की कार्यकारिणी बैठक 29 को

भिवानी। नया बाजार स्थित श्रीविश्वकर्मा धर्मशाला में 29 जून को जिला जांगिड़ ब्राह्मण सभा की जिला कार्यकारिणी की बैठक होगी। बैठक जिला प्रधान राजेश जांगड़ा की अध्यक्षता में होगी। कार्यकारी प्रधान ओमप्रकाश जांगड़ा ने बताया कि 29 जून को होने वाली बैठक में जिला कार्यकारिणी के अलावा सभी ब्लॉकों के प्रधान, संबंधित कार्यकारिणी के पदाधिकारी व सदस्य भाग लेंगे।

बिजली बिल ब्याज माफी योजना लागू: प्रबंध निदेशक

चरखी दादरी। हरियाणा ऊर्जा विभाग के सचिव एवं दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबंध निदेशक ए श्रीनिवास ने बताया कि ब्याज माफी योजना 2025 लागू है। बिजली उपभोक्ता शीघ्र ही ब्याज माफी योजना का लाभ उठाएं। योजना का लाभ डिफाल्टर उपभोक्ताओं ने तुरंत ही लेना है, क्योंकि ये योजना अल्प अवधि तक है। इस योजना के तहत ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्थित सभी निजी उपभोक्ता श्रेणियों, कृषि श्रेणी, सरकारी, नगर पालिका, ग्राम पंचायत, राज्य सरकार एवं अन्य पब्लिक सर्विस यूटिलिटी, औद्योगिक और अन्य श्रेणियों के कनेक्टेड और डिस्कनेक्टेड उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिलेगा।

बाढड़ा अनाज मंडी में धर्म कांटे का निर्माण कार्य शुरू

बाढड़ा। बाढड़ा की अनाज मंडी में किसानों और व्यापारियों की सुविधा के लिए धर्म काटे के निर्माण कार्य की शुरुआत हो गई है। करीब 25.94 लाख रुपये की लागत से बनने वाला यह आधुनिक तौल केंद्र आने वाले समय में मंडी में अनाज की तौल प्रक्रिया को पारदर्शी और तेज़ बनाएगा। मंडी समिति और प्रशासनिक अधिकारियों की देखरेख में निर्माण कार्य तेज़ी से शुरू हो चुका है। मंडी अध्यक्ष हनुमान शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि जल्द ही कार्य को पूरा कर किसानों को इसका लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। धर्म काटा लगने से अनाज की तौल में पारदर्शिता आएगी और किसानों को लंबे इंतजार से निजात मिलेगी। किसानों और व्यापारियों ने सरकार और मंडी समिति का आभार जताते हुए इसे मंडी के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

न्याय न मिलने पर किसान महापंचायत कर सरकार के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का फैसला

350 करोड़ रुपये बीमा फ्रॉड सहित 14 सूत्रीय मांगों को लेकर टूटा किसानों के सब्र का बांध

महापंचायत के बाद शहर में प्रदर्शन कर लोहारू एसडीएम मनोज दलाल के माध्यम से मुख्यमन्त्री को ज्ञापन भिजवाया

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। किसान महापंचायत में सरकार के खिलाफ विरोध जताते किसान व लंबित मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपते किसान।

अखिल भारतीय किसान सभा व संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर खरीफ फसल 2023 के 350 करोड़ रुपये बीमा फ्रॉड सहित 14 सूत्रीय मांगों को लेकर लोहारु अनाजमंडी में सोमवार को विशाल किसान महापंचायत का आयोजन हुआ। महापंचायत की अध्यक्षता किसान सभा के जिला प्रधान रामफल देशवाल, जगदीश बारवास, मुकेश नंबरदार कासनीकला, उमेद सिंह फरटिया ने संयुक्त रूप से की तथा मंच संचालन किसान सभा के जिला सचिव मास्टर जगरोशन रोढ़ा व जिला सहसचिव कविता आर्य ने किया। महापंचायत के बाद शहर में प्रदर्शन कर लोहारू एसडीएम मनोज दलाल के माध्यम से मुख्यमन्त्री को ज्ञापन भिजवाया। महापंचायत में मुख्य वक्ता के तौर पर बोलते हुए प्रमुख किसान नेता व भादरा के पूर्व विधायक कामरेड बलवानसिंह पुनिया व किसान सभा के राज्य प्रधान मास्टर बलबीर सिंह ने कहा कि वर्ष 2023 की खरीफ फसल में क्षेमा फसल बीमा कंपनी ने कपास में आई बीमारी के एवज में किसानों को हुए 450 करोड़ रुपये का बीमा क्लेम का भुगतान नहीं किया और भिवानी दादरी के किसानों के साथ 350 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी कर उसने फ्राड कर दिया। उन्होंने कहा कि उक्त बीमा कंपनी ने कृषि कल्याण विभाग के डारेक्टर व ज्वाइंट डायरेक्टर के साथ मिलकर फ्राड को अमली जामा पहनाया और सरकार के लोगों का हाथ होने से इंकार नहीं किया जा सकता, इसलिए कांड की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच हो, दोषियों को कड़ी सजा मिले व किसानों को ब्याज सहित बकाया बीमा क्लेम 350 करोड़ रुपये मिले। उन्होंने भिवानी जिले के किसानों को 2022-23 का 308 करोड़ रुपये व दादरी जिले के 167 करोड़ रुपये बकाया मुआवजा का भुगतान करने की मांग की। अंत में किसान नेताओं ने आगामी आन्दोलन की घोषणा करते हुए कहा कि एक जुलाई को दोनों जिलो के विधायकों व सांसदों को ज्ञापन दिए जाएंगे व शीघ्र 15 जुलाई को लोहारू सचिवालय पर अनिश्चित कालीन पड़ाव डाला जाएगा।

ये रही मांगें

किसान नेताओं ने नया प्रस्तावित मंडी कानून प्रारूप 2024 वापस लेने, बिजली निजिकरण प्रस्ताव रद करने, सी 2+ 50 प्रतिशत एमएसपी की संवैधानिक गारंटी देने, स्मार्ट मीटर योजना रद करने, बकाया ट्यूबवैल कनैक्शन जारी करने, गांवों में पीने का पानी व नहरी पानी की व्यवस्था करने, प्रस्तावित बिजली टावरों व तेल पाइप लाइन के लिए किसानों को न्यायोचित मुआवजा देने, केसीसी पर केंद्र सरकार द्वारा दो वर्ष की ब्याज सब्सिडी जारी करने, पर्याप्त मात्रा में डीएपी, यूरिया खाद उपलब्ध करवाने, नकली खाद, बीज व दवाईयों पर रोक लगाने, देह शामलात जुमला मुस्तरका, पट्टी खाता के तहत जमीन किसानों को देने की मांग उठाई। महापंचायत में नौ जुलाई की राष्ट्रव्यापी प्रस्तावित औद्योगिक हड़ताल को सफल बनाने, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के शांतिपूर्ण आंदोलन कर छात्रों पर बर्बता से लाठीचार्ज की निंदा व कुलपति को हटाने व दोषियों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर प्रस्ताव पास किए।

ये रहे मौजूद

महापंचायत में किसान सभा के उपप्रधान कामरेड ओमप्रकाश, दयानंद पूनिया, जिला कोषाध्यक्ष मास्टर उमराव सिंह, जिला सहसचिव डॉ. बलबीर ठाकन, अशोक आर्य, भाकियू युवा प्रदेश अध्यक्ष रवि आजाद, अंतर कस्वा, कर्मबीर फरटिया, राजस्थान से छात्र नेता अजीत पूनिया, जितेंद्र पूनिया, धर्मपाल बारवास, मास्टर शेरसिंह, कर्णसिंह जैनावास, सुबेदार धनपत, मन्दरूप यादव, सामोतार बलियाली, प्रतापसिंह सिंहमार, कैरू से छोटूराम पूनिया, रामकिशन भाकर आदि ने अपने विचार रखे।

भिवानी। मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

शिक्षा बोर्ड का कर्मचारी संगठन हड़ताल में होगा शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

- राष्ट्रव्यापी हड़ताल में भाग लेने को लेकर हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के कर्मचारी संगठन ने बोर्ड अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के कर्मचारी संगठन-1016 संबद्ध सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की कार्यकारिणी की बैठक शिक्षा बोर्ड के कैंपस में स्थित संगठन कार्यालय में सोमवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रधान सत्यवीर स्वामी ने की तथा मंच का संचालन महासचिव सोमवीर पुनिया ने किया। कार्यकारिणी की बैठक में केंद्रीय ट्रेड यूनियनों व विभिन्न कर्मचारी संगठनों के आह्वान पर 9 जुलाई को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल के संबंद्ध में बोर्ड कर्मचारियों की भागीदारी व भूमिका को लेकर चर्चा की। इस दौरान प्रधान सत्यवीर स्वामी ने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा मिलकर कर्मचारियों के साथ जो सौतेला व्यवहार किया जा रहा है, उसको लेकर देश व प्रदेश के सभी कर्मचारियों में काफी रोष है। जिसके विरोध की बानगी 9 जुलाई की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में दिखेगी। राष्ट्रव्यापी हड़ताल में सभी बोर्ड कर्मचारियों द्वारा सहभागिता करने को लेकर बोर्ड अध्यक्ष को नोटिस भी सौंपा गया। महासचिव सोमवीर पुनिया ने सरकार को चेताया कि वर्तमान सत्ताधीश सरकार अगर समय रहते विभिन्न विभागों के निजीकरण व ठेकाप्रथा को बंद नहीं करती है तो 9 जुलाई को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल में सभी कर्मचारी बढ़-चढक़र तो भाग लेंगे ही साथ में कर्मचारियों की इस नाराजगी का खामियाजा भविष्य में सरकार को अवश्य भुगतना पड़ेगा। प्रैस सचिव जोगेंद्र ने बताया कि केंद्र सरकार मॉडल संस्कृति व पीएम श्री योजनाओं के नाम पर हरियाणा बोर्ड से संबद्धता प्राप्त विभिन्न राजकीय विद्यालयों को सीबीएसई बोर्ड से संबद्धता प्रदान किए जाने की जो कारगुजारियां की जा रही है, उसको लेकर भी बोर्ड के समस्त कर्मचारियों में काफी गुस्सा है। इस अवसर पर वरिष्ठ उपप्रधान देवेंद्र सिंह, प्रैस सचिव जोगेंद्र, वित्त सचिव अशोक पिलानिया, संगठन सचिव अशोक लांबा, भारतदीप, संदीप कुमार, अनुप खेदड़, कुलदीप सहित संगठन के सभी पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

संरक्षण आयोग की टीम ने थानों का किया निरीक्षण

- बच्चों के लिए अलग से रूम स्थापित करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

चरखी दादरी। सामान्य अस्पताल का निरीक्षण का करते टीम सदस्य।

हरियाणा राज्य बाल अधिकार एवं संरक्षण आयोग की टीम ने पुलिस स्टेशनों का निरीक्षण किया। टीम ने पुलिस स्टेशनों में किशोर बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। सोमवार को राज्य बाल अधिकार एवं संरक्षण आयोग सदस्य डॉ. मांगेराम, मीना कुमारी एवं जिले की बाल संरक्षण विभाग की टीम ने महिला थाना, सिटी थाना एवं सदर थाना की विजिट की। एसएचओ व स्पेशल जूविनाइल पुलिस यूनिट के साथ मीटिंग की। आयोग के सदस्य मांगेराम ने स्पेशल जूविनाइल पुलिस यूनिट को निर्देश दिए कि प्रत्येक थाने में बच्चों के लिए एक अलग से चाइल्ड फ्रेंडली रूम होना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद, संरक्षण वाले बच्चों एवं सीसीएल बच्चों का विशेष ध्यान रखा जाए। सीएनसीपी बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाए तथा सीसीएल बच्चों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाए। इसके अतिरिक्त बाल आयोग की टीम द्वारा मेटरनिटी वार्ड एवं निक्कू वार्ड की भी विजिट की। वार्ड में नवजात शिशुओं की माता से बात की और एवं नवजात शिशु के संरक्षण संबंधित अधिकारियों को मौके पर निर्देश दिए।

मालिकाना हक कुम्हार समाज को देने की मांग

- 100 वर्षो से कुम्हारों के नाम आरक्षित भूमि का मालिकाना हक दिलवाए जाने की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

प्रजापति धर्मशाला सभा के सदस्यों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम श्री दक्ष प्रजापति जयंती समारोह की आयोजन समिति के सदस्य रमेश टांक व मामनचंद मांगपत्र सौंपते हुए हरियाणा प्रदेश में गैर मुमकिन आवा/ पंजावा/ कुम्हारधना की जमीन का मालिकाना हक कुम्हार समाज के नाम करने व मिट्टी के बर्तन बनाने का पुश्तैनी कार्य प्रति पर करने के लिए कम से कम 5 एकड़ भूमि देने की मांग की है। मांगपत्र के बारे में जानकारी देते हुए रमेश टांक ने बताया कि 16 जुलाई 2019 को कुरूक्षेत्र में महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती समारोह पर तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल से मिट्टी के बर्तन बनाना व पकाना, मिट्टी के ईंटे बनाना व पकाना, मिट्टी की मूर्ति बनाना, मिट्टी के खिलौने बनाने की मांग की थी तथा इनके लिए मिट्टी की जगह उपलब्ध करवाने की थी। उन्होंने कहा कि मिट्टी की जगह उपलब्ध करवाने बारे समाज के नाम करीबन 100 वर्षो से कुम्हारों के नाम भूमि आरक्षित की हुई है, जिसका कब्जा आज भी कुम्हार समाज के पास है तथा रेवेन्यु रिकॉर्ड के खाना कश्त में मक्बुजा कऊमहारान दर्ज है व मालिक के खाना में ग्राम पंचायत, नगर पालिका, नगर परिषद लिखा हुआ है।

मांगपत्र में रखी ये बातें

मांगपत्र में यह भी कहा गया कि जिब भी कोई ग्राम पंचायत, नग रपालिका, नगर परिषद या नगर निगम के चुनाव होते है तो निर्वाचित प्रतिनिधि यदि पक्ष का ना होतो रंजिशन उपरोक्त भूमि पर पंचायत घर, पब्लिक हैल्थ के ट्यूबैल, सिलाई सैंटर या अन्य स्कीमों के प्रस्ताव डालकर परेशान करते है तथा अन्य लोगों से कब्जा करवा देते है। जिसके चलते उन्हे कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाने पड़ते है। जिससे उनकी रोजी-रोटी पर संकट मंडराने लगा है। इसीलिए वे मांग करते है कि कुम्हार समाज को भूमि का मालिकाना हक दिलवाया जाए, जिससे समजा का वर्षो पुराना पुश्तैनी काम ठीक से चल सकें। इसके साथ ही उन्होंने मांग की कि उपरोक्त भूमि का कब्जा रेवेन्यु रिकॉर्ड में समाज के नाम है, उसकी मलकियत भी समाज के ही नाम की जाए।

पानी की समस्या को लेकर जलघर को जड़ा ताला

- तोशाम-हांसी मार्ग किया जाम, 112 पुलिस की टीम ने मौके पर खुलवाया जाम

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। सरपंचों की मौजूदगी में मोजूद ग्रामीण एवं समस्या सुनते हुए उपमंडल अभियंता। *फोटो: हरिभूमि*

बवानी खेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव जमालपुर में पीने के पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया और ग्रामीणों ने जमालपुर जलघर को ताला जड़ दिया। ग्रामीणों का गुस्सा यहीं नहीं रूका उन्होंने तोशाम-हांसी मार्ग जाम कर दिया। पुलिस को सूचना मिलते ही 112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाकर जाम खुलवाया। वहीं जमालपुर सरपंच भूप सिंह सहित ग्रामीणों ने बताया कि गांव में चार जलघर हैं और सभी पानी से लबालब हैं। लेकिन गांव के कीमैन द्वारा ट्यूबवेल के पानी की सप्लाई की जाती है जो सेवन करने योग्य नहीं है।

गांव की आईटीआई के कई छात्र इस पानी के सेवन से बीमार हो चुके हैं। इसके बारे में पानी सप्लाई छोड़ने वाले कर्मचारी को आग्रह किया था कि पहले जलघर के पानी की सप्लाई छोड़ी जाए जब थोड़ा पानी रह जाए तब टयूबवैल का पानी मिलाकर सप्लाई दी जाए। लेकिन कर्मचारी अपनी मनमानी पर अड़ा रहा और गांव की 12 हजार के करीबन आबादी को परेशान करने में जुटा रहा। इसके अलावा कर्मचारी ने दोनों सरपंचों के खिलाफ भी लोगों को बरगलाने का प्रयास किया। कर्मचारी की हरकत को समझते हुए ग्रामीणों को गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया और उन्होंने जलघर को ताला जड़ दिया।

मौके पर पहुंचे विभाग के एसडीओ, खुलवाया ताला

जलघर को ताले की सूचना मिलते ही जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के उपमंडल अभियंता जय सिंह मौके पर पहुंचे और लोगों की समस्याए सुनी। वहीं ग्रामीण कर्मचारी के स्थानांतरण करने पर अड़े रहे। एसडीओ जय सिंह ने बताया कि समयसारिणी का इश्यू था। पानी सप्लाई पुराने डिजाइन के हिसाब से है। पानी की पूर्ति के लिए ट्यूबवैल चलाते हैं ताकि पानी की दिक्कत न हो। वहीं उन्होंने बताया कि साढ़े बीस करोड़ का एस्टीमेंट भेजा हुआ है। वहीं कर्मचारी ने मौके पर माफी मांगी और भविष्य में ऐसी गलती करने पर चार्जशीट किया जा सकता है।

हड़ताल को लेकर सब यूनिट ने की बैठक

- आमजन की बजाय पूंजीपति हित की सोच रख बिजली निगम को निजी हाथों में सौंप रही सरकार : गोयत

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। ऑपरेशन सर्कल कार्यालय में मीटिंग के दौरान विरोध जताते कर्मचारी।

बीटीएम रोड स्थित ऑपरेशन सर्कल कार्यालय में सोमवार को भिवानी सब यूनिट की मीटिंग हुई। मीटिंग की अध्यक्षता प्रधान सुरेश कुमार हटरिया ने की तथा संचालन सोमबीर सिंधु ने किया। इस मौके पर सीसी मैंबर विजय जांगड़ा, राज्य सचिव लोकेश, राज्य उपप्रधान राजेश सांगवान, सर्कल सचिव अशोक गोयत, सतेंद्र प्रधान सिटी, रविंद्र यादव, सर्व कर्मचारी जिला सचिव सुमेर आर्य भी मौजूद रहे। मीटिंग का उद्देश्य नौ जुलाई को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल में बढ़-चढक़र भाग लेने के लिए बिजली कर्मचारियों का आह्वान करना था। सर्कल सचिव अशोक गोयत ने बताया कि सरकार अपनी मनमर्जी कर रही है तथा सरकारी विभागों को निजी हाथों में सौंप रही है। उन्होंने कहा कि बिजली जैसे महत्वपूर्ण विभागों का निजीकरण किया जा रहा है तथा औने-पौने दामों पर अपने चहेतों को सौंपने की तैयारी में जुटी हुई है, जिसका भार आमजन पर पड़ रहा है।

नशे के दुष्प्रभावों की दी जानकारी

- राजीव गांधी महिला कॉलेज में चलाया नशा मुक्ति जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। जागरूकता रैली निकालती छात्राएं। *फोटो: हरिभूमि*

राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय में महाविद्यालय के नार्कोटिक्स सेल एवं मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नशामुक्ति जागरूकता अभियान चलाया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य प्रोफेसर त्रिलोकचंद की अध्यक्षता में किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय की छात्राओं को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों से अवगत करना था। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को नशे की लत से दूर रहने के लिए जागरूक किया। इसके अलावा छात्राओं द्वारा आउटरीच कार्यक्रम भी किया गया। इसमें छात्राओं के माध्यम से समाज के नागरिकों को भी नशे के दुष्परिणामों के बारे में अवगत करवाया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखना उन्हें इसके सामाजिक, शारीरिक एवं मानसिक प्रभावों के प्रति जागरूक करना था। इसके साथ-साथ स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

समाधान की मांग को लेकर एक बार फिर से समाधान शिविर में पहुंचे वार्ड-25 के नागरिक

पेयजल सप्लाई की समस्या ने लिया विकराल रूप

- अधिकारियों को बार-बार शिकायत देने के बावजूद भी नहीं हुआ समाधान, नागरिक है परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। पानी की समस्या को लेकर उपायुक्त से मिलने जाते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

वार्ड नंबर-25 के विभिन्न क्षेत्रों में पिछले कई दिनों पेयजल समस्या विक्राल रूप धारण किए हुए है। पेयजल समस्या के समाधान की मांग को लेकर क्षेत्रवासी पार्षद विनोद प्रजापति के नेतृत्व में कई बार नारेबाजी व अन्य माध्यमों से सरकार तक अपनी मांग पहुंचा चुके है, लेकिन इसके बावजूद भी सरकार क्षेत्रवासियों को मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवाने से पीछे हट रही है। यहां तक पार्षद विनोद प्रजापति कई बार समाधान शिविर में भी पेयजल समस्या की शिकायत कर चुके है, लेकिन इसके बावजूद भी समाधान ना होने से क्षेत्रवासियों में गुस्सा है। इसी के चलते सोमवार को एक बार फिर से पार्षद विनोद प्रजापति के नेतृत्व में वार्ड नंबर-25 के क्षेत्रवासी समाधान शिविर में शिकायत देने पहुंचे तथा समाधान की गुहार लगाई। इस मौके पर क्षेत्रवासी महिलाओं ने कहा कि उनके वार्ड में पिछले कई दिनों से पेयजल समस्या बनी हुई है। जिसके चलते उन्हे भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

पानी की समस्या को लेकर छठी बार दी शिकायत

इस मौके पर पार्षद विनोद प्रजापति ने कहा कि ये समाधान शिविर नागरिकों की समस्याओं के समाधान की बजाए अधिकारियों के बैठने व गप्पे लड़ाने का स्थान बना हुआ है, क्योंकि वे वार्ड नंबर-25 में पेयजल सप्लाई की समस्या के समाधान के लिए छठी बार शिकायत देने पहुंचे है। लेकिन आज तक उन्हे सिर्फ आश्वासन ही आश्वासन ही मिल रहे है। आज उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। पार्षद विनोद प्रजापति ने आरोप लगाया कि जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के चलते शहरवासी पानी की बूंद-बूंद को तरस चुके है तथा हद की बात तो यह है कि कई बार अधिकारियों को अवगत करवाने के बावजूद भी ना तो अधिकारी तथा ना ही जनप्रतिनिधि आमजन की समस्या के समाधान के लिए अधिकारियों पर दबाव बनाते है। जिसके चलते जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारी अपनी मनमानी चला रहे है।